study time

Subject Pol. science

Date.: __/__/__

MON TUE WED THR FRI SAT SUN

डेविड ईस्टन और प्रणाली-विश्लेषण

राजनीतिक प्रणाली की संकल्पना आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण की देन है। राजनीतिक प्रणाली की संकल्पना राजनीति को एक प्रक्रिया के रूप में समझने का एक प्रयास है। अतः सर्वप्रथम प्रक्रिया एवं प्रणाली को समझना आवश्यक है। सरल शब्दों में कहें तो प्रक्रिया उन क्रियाओं की श्रृंखला है जो किसी स्थिति में परिवर्तन ला देती है। जैसे भौतिक पर्यावरण मे उपस्थित अनेक तत्व - हवा, पानी, धूप, धूल, धुआं इत्यादि एक दूसरे के साथ क्रिया-प्रतिक्रिया करते हैं जिससे की मौसम बदलता है। वहीं किसी भी पर्यावरण में जिस ढांचे के अंतर्गत कोई विशेष प्रक्रिया संपन्न होती है, तो उसे प्रणाली कहा जाता है।

डेविड ईस्टन ने 'World Politics' में प्रकाशित लेख 'An Approach to the Analysis of Political System' (1957) के अन्तर्गत राजनीतिक प्रणाली की संकल्पना की रूपरेखा प्रस्तुत की। इससे पहले ईस्टन ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'Political System - An Enquiry into the state of Political science' (1953) के अंतर्गत यह स्पष्ट कर दिया था कि राजनीति का सरोकार 'मूल्यों के आधिकारिक आवंटन से है। इस परिभाषा के आधार पर ईस्टन ने 'राजनीतिक प्रणाली' के स्वरूप को स्पष्ट करने की कोशिश की। इस संकल्पना के अनुसार प्रणाली उन तत्वों के समूह को कहते हैं जो

(1)- एक-दूसरे से संबद्ध हों

(2)- एक दूसरे पर आश्रित हों

(3)- एक दूसरे पर क्रिया-प्रतिक्रिया करते हों

ईस्टन के शब्दों में राजनीतिक प्रणाली किसी समाज के अंदर उन अंतः क्रियाओं की प्रणाली को कहते हैं जिसके माध्यम से अनिवार्य या आधिकारिक आबंटन किए जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि इन अंतःक्रियाओं के माध्यम से ऐसे नियम निर्धारित किये जाते हैं या आदेश दिये जाते हैं जिनके द्वारा समाज के संसाधनों को भिन्न-भिन्न समूहों के उपयोग के लिए नियत किया जाता है।

Scanned with CamScanner

इन नियमों को तथा आदेशों को समाज के लिए प्रामाणिक या अनिवार्य मानकर उनका पालन किया जाता है। ईस्टन लिखते हैं कि यह राजनीतिक प्रक्रिया किसी बंद दायरे के अंतर्गत नहीं चलती है बल्कि इसके सिरे सामाजिक प्रक्रिया के साथ जुड़े होते हैं अतः इसे एक खुली प्रणाली मानना चाहिए। राजनीतिक प्रणाली 'मूल्यों का आबंटन इसलिए करती है क्योंकि जिस पर्यावरण में वह कार्य करती है वहाँ से निरंतर मांगे एवं समर्थन प्राप्त होते हैं। राजनीतिक प्रणाली इन दोनों तत्वों को निर्णयों और नीतियों में रूपांतरित कर देती है। डेविड ईस्टन ने अपनी नई कृति 'A Framework for Political Analysis' के अन्तर्गत राजनीतिक प्रणाली का एक रेखा चित्र प्रस्तुत जो समझने में सहायक होगा

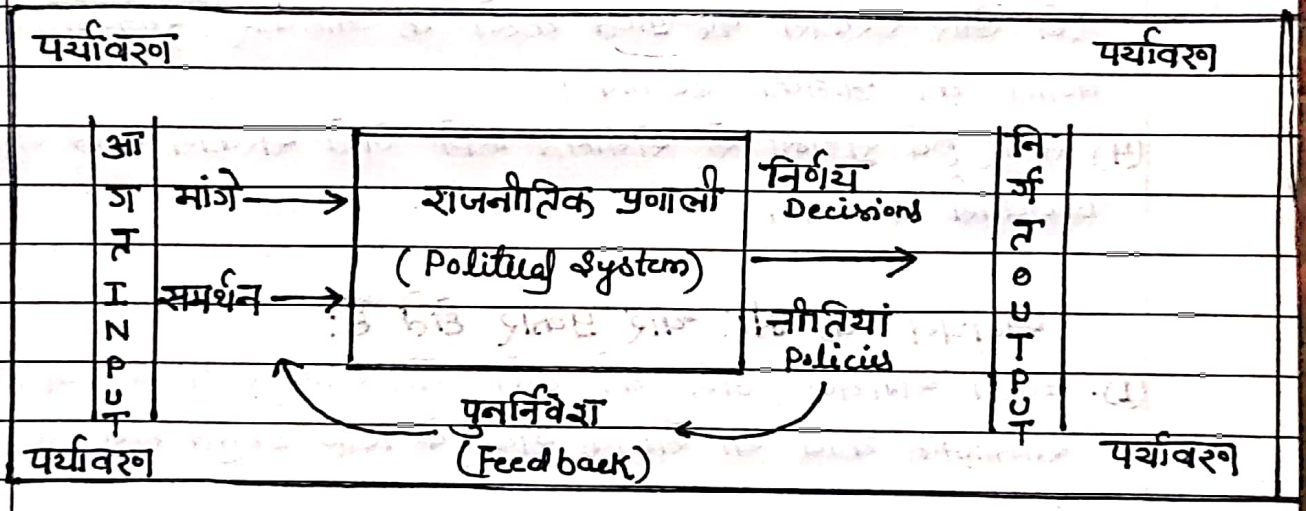

राजनीतिक प्रणाली को अपने पर्यावरण से जो तत्व प्राप्त होते हैं, उन्हें आगत कहा जाता है और यह प्रणाली जिन वस्तुओं का उत्पादन या निर्माण करती है उन्हें निर्गत कहा जाता है। ईस्टन कहते हैं कि राजनीतिक प्रणाली को सामाजिक जीवन से मांगे एवं समर्थन आगत के रूप में प्राप्त होते हैं और यह प्रणाली नीतियां और निर्णय बनाकर उन्हें निर्गत के रूप में पर्यावरण की ओर प्रवाहित करती है। यही नीतियां और निर्णय आधिकारिक आबंटन का आधार बनते हैं। निर्गत पर्यावरण में जाकर उसके तत्वों से क्रिया करते हैं जिससे नये आगतों का जन्म होता है और ये पुनर्निवेश के माध्यम से राजनीतिक प्रणाली में चले जाते हैं

Scanned with CamScanner

और इस प्रकार एक जटिल चक्र पूरा हो जाता है।
ईस्टन ने राजनीतिक प्रणाली के आगत और निर्गत तत्वों का विस्तृत वर्गीकरण प्रस्तुत किया है जो निम्नलिखित हैं:-
मांगें चार प्रकार की होती हैं:
(1)- वस्तुओं और सेवाओं के आवंटन संबंधी मांगें - इसके अन्तर्गत कामगारों की मजदूरी और काम की परिस्थितियों में सुधार, शिक्षा के अवसर, मनोरंजन - सुविधाओं, सड़कों और परिवहन - व्यवस्था से संबंधित मांगें आती हैं।
(2). व्यवहार के विनियमन संबंधी मांगें – इसके अन्तर्गत सार्वजनिक सुरक्षा, बाजार के नियंत्रण, वैवाहिक कानून, सार्वजनिक व्यवस्था और स्वच्छता संबंधी मांगें आती हैं।
(3). राजनीतिक जीवन में सहभागिता से संबंधित मांगें, जैसे कि मत देने और सरकारी पद प्राप्त करने के अधिकार, राजनीतिक संघ बनाने का अधिकार इत्यादि।
(4) संचार एवं सूचना से संबंधित मांगें जैसे सरकारी नीति संबंधी जानकारी इत्यादि।

समर्थन के भी चार प्रकार होते हैं:
(1). माली समर्थन, जैसे की करों और मालगुजारी का भुगतान, सामाजिक कार्य या सैनिक सेवा के लिए प्रस्तुत होने की तत्परता।
(2) नियमों का पालन करना
(3) सहभागितामूलक समर्थन, जैसे की मतदान या राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेना।
(4). सरकारी सूचनाओं की ओर ध्यान देने की प्रवृत्ति

डेविड ईस्टन ने निर्गतों के भी चार प्रकार बताएं हैं:-
(1)- दोहन संबंधी वितरण
(2)- व्यवहार संबंधी निर्गत
(3)- वस्तुओं, सेवाओं, अवसरों इत्यादि का वितरण
(4)- प्रतीकात्मक निर्गत

Scanned with CamScanner